University in News on 20 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

300 ने पास की यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को यूजीसी नेट-जेआरएफ के परिणाम घोषित किए। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

विवि के विभिन्न विभागों में 250 विद्यार्थियों ने नेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) और 40 से अधिक ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) में सफलता पाई। छह से 19 दिसंबर के बीच हुई परीक्षा के लिए 292 शहरों में केंद्र बनाए गए थे और 83 विषयों की परीक्षा हुई थी।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एजुकेशन विभाग के 47, समाजशास्त्र के 26, लॉ के 25, एआईएच के 15, स्टैटिक्स के 14, पॉलिटिकल साइंस के 12, अंग्रेजी के 12, साइकोलॉजी के 10, हिंदी के 09, एप्लायड इकोनॉमिक्स के 08, मैनेजमेंट के 07, संस्कृत और प्राच्य लैंग्वेज के 07, उर्दू के 06, एमआईएच के 05, जाग्रफ के 05, जर्नलिज्म के 05, फिजिकल एजुकेशन के 05, सोशल वर्क के 04 लोक प्रशासन के 04, लाइब्रेरी साइंस के 02, पार्सियन के 02, सोशल मेडिसिन के 02, कंप्यूटर साइंस और योगा में 1-1 विद्यार्थी सफल रहा। भाषा विवि में विभिन्न विभागों में 10 विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ की परीक्षा में सफलता पाई है।

21, 22 को भी जमा होंगे छात्रवृत्ति फार्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 व 22 जनवरी को छुट्टी के दिन भी छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करने के लिए काउंटर खोले जाएंगे। रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह ने यह आदेश दिया। छात्र-छात्राएं सुबह 10 से शाम पांच तक इसका प्रिंटआउट जमा कर सकेंगे। शासन की ओर से 22 जनवरी तक छात्रवृत्ति फार्म के संबंध में समस्त औपचारिकता पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। (संवाद)

छात्र क्यूआर कोड से बताएंगे समस्याएं, हल करेगा लविवि

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने डीएसडब्ल्यू, प्रॉक्टर के साथ लॉन्च किया क्यूआर कोड

लविवि में क्यूआर कोड लॉन्च करते कुलपति। -संवाद

लखनऊ। विद्यार्थियों के हित में लखनऊ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय ने बड़ा कदम उठाया है। अब इन्हें अपनी समस्याओं को लेकर कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने होंगे।

विद्यार्थी क्यूआर कोड स्कैन कर समस्या बता सकेंगे। विश्वविद्यालय इन्हें संबंधित डीन और विभाग को भेज देगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीएसडब्ल्यू प्रॉक्टर के साथ क्यूआर कोड को लॉन्च किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस क्यूआर कोड से विद्यार्थी विभिन्न मुद्दों के लिए काउंसिलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब से संपर्क कर सकते हैं।

छात्र क्यूआर कोड को स्कैन कर अपनी समस्या को मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ साझा करेंगे। समस्या के प्रकार के आधार पर प्रारंभिक स्तर पर परामर्श के लिए समय और संकाय/विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर संगीता साहू ने बताया कि यह मंच छात्रों को मदद पहुंचाने और अपने मुद्दों को गुप्त रखने में सुविधा देगा। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो. एम प्रियदर्शिनी, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना, संस्थापक निदेशक और तकनीकी विशेषज्ञ हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी प्रो. मधुरिमा प्रधान इस परामर्श प्रणाली के काम को सुविधाजनक बनाएंगी।

NBT PAGE 4

लखनऊ विवि सबसे ज्यादा सफल अभ्यर्थी एजुकेशन विभाग से

300 स्टूडेंट नेट-जेआरएफ क्वॉलिफाई

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू के करीब 298 स्टूडेंट्स ने यूजीसी नेट क्वॉलिफाई किया है। इनमें 40 स्टूडेंट जेआरएफ के लिए क्वॉलिफाई हुए हैं। एजुकेशन विभाग से सबसे ज्यादा 44 स्टूडेंट ने नेट और 8 स्टूडेंट्स ने जेआरएफ क्वॉलिफाई किया है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स का यूजीसी नेट-जेआरएफ व अन्य प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन किया जाता है। स्टूडेंट्स भी पूरी मेहनत करते हैं। ये परिआम इसी का नतीजा हैं। डीएसडब्ल्यू संगीता साहू, प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव समेत अन्य शिक्षकों ने इन स्टूडेंट्स को बधाई दी है।

भाषा विवि के 7 स्टूडेंट्स क्वॉलिफाई

भाषा विश्वविद्यालय के सात स्टूडेंट्स ने यूजीसी नेट क्वॉलिफाई की है। विवि की मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि अरबी विभाग से दो और उर्दू विभाग से पांच स्टूडेंट क्वॉलिफाई हुए हैं।

QR कोड स्कैन कर समस्याएं बता सकेंगे स्टूडेंट

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ: एलयू ने स्टूडेंट्स के तनाव और समस्याओं के समाधान के लिए एक नया प्रयास शुरू किया है। इसके तहत एलयू ने एक क्यूआर कोड लॉन्च किया है। स्टूडेंट इसे स्कैन कर अपनी समस्याएं बता सकते हैं। इसके बाद विशेषज्ञ इसका समाधान करेंगे। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि काउंसलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब ने यह क्यूआर कोड बनाया है। इस पर आने वाली समस्या के आधार पर स्टूडेंट्स की काउंसलिंग के लिए समय और विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू ने बताया कि क्यूआर कोड के स्टिकर ओल्ड और न्यू कैंपस में जगह-जगह लगाए जा रहे हैं।

कोर्स के बाहर से प्रश्न पूछे जाने का आरोप

■ एनबीटी सं, लखनऊ: एलयू में शुक्रवार को सोशल वर्क में एमए तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने इंटर डिपार्टमेंट पेपर में कोर्स के बाहर से प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इसका पता चलने पर प्रो. अनूप कुमार भारती मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मौके पर ही स्टूडेंट्स को बोलकर नए प्रश्न नोट करवाए गए। इससे परीक्षा तय समय से देरी से शुरू हुई, लेकिन स्टूडेंट्स को पूरा समय दिया गया।

HINDUSTAN PAGE 6

नेट, जेआरएफ के नतीजे जारी, शिक्षाशास्त्र से सबसे अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए

एलयू में 300 छात्रों को नेट और जेआरएफ में सफलता

35 से अधिक छात्र-छात्राओं ने जेआरएफ पास किया लखनऊ विवि में

परिणाम

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के 300 से ज्यादा विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा पास की। 35 से अधिक छात्र-छात्राओं ने जेआरएफ क्वालिफाई किया। शिक्षाशास्त्र से सबसे अधिक विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ क्वालिफाई किया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू में विद्यार्थियों का प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन किया जाता है। उनकी हर संभव मदद की जाती है। विद्यार्थी भी जीतोड़ मेहनत करते हैं। इसी का नतीजा है कि 300 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अर्हता प्राप्त की है। 260 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सहायक आचार्य के लिए क्वालीफाई किया। 40 से अधिक ने जेआरएफ क्वालीफाई किया है। सबसे अधिक शिक्षाशास्त्र से 52 छात्रों ने नेट-जेआरएफ पास किया। समाजशास्त्र से 26 नेट-जेआरएफ क्वालीफाई हुए। डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

बीबीएयू में तीन दर्जन से अधिक छात्र पास

अंबेडकर यूनिवर्सिटी के तीन दर्जन से अधिक छात्रों ने यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। हिंदी विभाग के एक्स छात्र आशुतोष पवार को नेट और जेआरएफ में सफलता मिली है। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. आरपी गंगवार और संकायाध्यक्ष प्रो. सतीश सिंह ने बधाई दी।

भाषा विवि के 7 विद्यार्थियों ने नेट क्वालिफाई किया

भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी यूजीसी की असिस्टेंट प्रोफेसर नेट) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा क्वालीफाई की है। मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि अरबी विभाग से मो. सोहल, जियाउल मुरतजा समेत कई छात्रों को सफलता मिली।

सफल छात्रों से बातचीत

सेल्फ स्टडी से आसानी

एलयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से पढ़ाई की। मूलत: देवरिया जिले की रहने वाली हूं। पिता डॉ. कृष्ण डिजिटियन हैं। मां ममता वर्मा गृहणी हैं। सेल्फ स्टडी के जरिए तैयारी की। यह पांच प्रयास है। प्रोफेसर बनना चाहती हूं। आंचल पटेल

दूसरे प्रयास में हुए सफल

बलिया जिले का रहने वाला हूं। पिता शिव सजंन सिंह व माता उषा सिंह हैं। एलयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से पीजी किया। दूसरे प्रयास में परीक्षा को पास कर लिया है। ऑनलाइन तैयारी और रिवीजन पर ज्यादा जोर दिया। नितेश सिंह

विषय	नेट	जेआरएफ
शिक्षाशास्त्र	44	08
समाजशास्त्र	21	05
विधि	25	
एआईएच	14	01
साख्यिकी	10	02
राजनीति विज्ञान	10	02
अंग्रेजी	28	02
समाजशास्त्र	21	05
हिन्दी	04	06
एप्लाइड इकोनॉमिक्स	08	
प्रबंधन	06	01
संस्कृत एंड प्राकृत भाषा	07	
उर्दू	05	01
मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास	04	01
भूगोल	5	
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	06	
शारीरिक शिक्षा	04	01
समाज कार्य	02	02
लोक प्रशासन	07	02
लाइब्रेरी साइंस	01	02
फिजिक्स	01	01
सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ	02	
कम्प्यूटर साइंस	01	
योग	01	

PIONEER PAGE 3

क्यूआर कोड सुलझायेगा लविवि के छात्रों की समस्याएं

● छात्र कल्याण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के लिए क्यूआर कोड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्रों की समस्याएं क्यूआर कोड के जरिए सुलझाई जाएंगी। इसके लिए छात्रों को केवल क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा और अपनी समस्या को मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ साझा करना होगा। समस्या के प्रकार के आधार पर छात्र को प्रारंभिक स्तर पर परामर्श के लिए समय और संकाय विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक क्यूआर कोड लॉन्च किया है, जिसके द्वारा छात्र अपनी भलाई से संबंधित मुद्दों के लिए काउंसलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब से संपर्क कर सकते हैं। यह बेहतरीन पहल छात्र हितैषी है जो छात्रों को विभिन्न व्यक्तिगत और करियर निर्माण मुद्दों पर परामर्श देकर सहायता प्रदान करती है। छात्रों को केवल क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा और अपनी समस्या को मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ साझा करना होगा, समस्या के प्रकार के आधार पर छात्र को प्रारंभिक स्तर पर परामर्श के लिए समय और संकाय, विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा। इस पहल का नेतृत्व लविवि के डीएसडब्ल्यू ने हमारी लोकप्रिय और अनूठी हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल के साथ किया गया है। यह छात्रों तक पहुंचने और उन्हें अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के आसानी से व्यक्त करने एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने में मदद करेगी। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो. एम. प्रियदर्शिनी, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डा. वैशाली सक्सेना, संस्थापक निदेशक और तकनीकी विशेषज्ञ हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी प्रो. मधुरिमा प्रधान इस परामर्श प्रणाली के कामकाज को सुविधाजनक बनाएंगी। क्यूआर कोड के द्वारा छात्र काउंसलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों को क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। समस्या को मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ साझा करना होगा। इसके बाद उनकी समस्याओं को सुलझाने में सहायता की जाएगी।

यह समस्याएं होंगी दूर

यदि छात्रों को कोई व्यक्तिगत या कैरियर संबंधी समस्या है तो वे पंजीकरण करा सकते हैं और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल में विभिन्न भलाई के मुद्दे शामिल हैं जैसे जीवन में उत्साह, खुशी और खुशी की कमी, चिंता, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और क्रोध का बढ़ना, उदासी, बेबसी, पढ़ाई में असंचि और एकाग्रता की कमी, लोगों से मिलने में संकोच कम हो गई, जीवन से निराशा, आत्महत्या करने के विचार वगैरह। एलयू में इस पहल को बढ़ावा देने के लिए मुख्य और सेकंड कैम्पस में जगह-जगह बोर्ड लगाए जा रहे हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

यूजीसी-नेट जेआरएफ परीक्षा में लविवि के 300 छात्र चयनित

लखनऊ (एसएनबी)। शुक्रवार को घोषित यूजीसी-नेट जेआरएफ परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के 300 छात्रों ने सफलता पाई है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रोफेसर श्रीवास्तव ने बताया कि यूजीसी-नेट जेआरएफ अपने कठोर मूल्यांकन के लिए प्रसिद्ध है, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विविध कैरियर के अवसरों को खोलते हुए, जो अभ्यर्थी सहायक प्रोफेसरों के लिए इच्छुक है उनके लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर के रूप में भी कार्य करता है। 262 से अधिक छात्रों ने सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना स्थान अर्जित किया है, जबकि प्रभावशाली 40 छात्रों ने सहायक प्रोफेसर और जेआरएफ योग्यता दोनों के लिए अहर्यता हासिल की है।प्रवक्ता ने बताया कि एजुकेशन में 40 सोशियोलॉजी में 26, एआईएच में 14, स्टैटिक्स में 13, पॉलिटिकल साइंस में 20, अंग्रेजी और हिंदी में 20-20, अप्लाइड इकोनॉमिक्स में 8 मैनेजमेंट में 7, साइकोलॉजी में सात, उर्दू में 6, सोशल वर्क में 10, भूगोल और पत्रकारिता में पांच-पांच, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में 4, लाईब्रेरी साइंस में तीन पर्शियन में तीन, कंप्यूटर साइंस और योग जैसे विषय में भी छात्रों ने नेट जेआरएफ निकाला है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय अपने छात्रों को बधाई दी है।

लविवि में 36,938 विद्यार्थी एबीसी से जुड़े

लखनऊ विश्वविद्यालय में 36,938 विद्यार्थियों को एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट से जोड़ा जा चुका है। इसके अलावा 43,633 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर में अपलोड की गई हैं। विवि में एबीसी में जुड़े बच्चे देशभर कहीं भी अपने क्रेडिट के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं।

पहले प्यार के अहसास, अनुभव का डाटा तैयार करेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

मानवशास्त्र विभाग ने भारत लैब के साथ की सर्वे की शुरुआत

लखनऊ। पहले प्यार का अहसास, अनुभव जीवन भर की याद बन जाता है। लविवि के मानवशास्त्र विभाग ने उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन करने के लिए इसका डाटा तैयार करने की मुहिम शुरू की है। इसमें लविवि के प्रवंधन विभाग में स्थापित भारत लैब भी सहयोग करेगा।

लविवि के मानवशास्त्र विभाग ने शोध के लिए गूगल फॉर्म जारी किया है। सर्वेक्षण में कुल 11 चरण दिए गए हैं। इनमें नाम, उम्र, लिंग, जाति, धर्म, व्यवसाय, प्रेमी-प्रेमिका के बारे में, प्यार कैसे हुआ, पहली प्यार की परिभाषा, प्यार की उम्र, डेटिंग का समय व उम्र, डेट की इच्छा क्यों और कैसे, पहली नजर में प्यार, प्यार को समझना, सच्चा प्यार क्या है, किसके साथ अच्छा लगता है, शारीरिक आकर्षण, जाति, धर्म, अंतरजातीय विवाह, आर्थिक, डेटिंग ऑनलाइन, सोशल मीडिया पर, लंबी दूरी, रिश्ता का उद्देश्य, प्रेम संबंध, सफल रिश्ता, दुख सुख में साथ, प्यार का भविष्य, ब्रेकअप की वजह, जीवन में इसका प्रभाव, शादी की उम्र, मित्र से सलाह, बड़ों से सलाह, प्रेम विवाह पर विचार, प्रेम की कहानी व कुछ अन्य सवाल शामिल किए गए हैं।

उपभोक्ता व्यवहार से जोड़ी जा रही मानवशास्त्र की कड़ी : औद्योगीकरण के दौर में कंपनियां आए दिन नए उत्पाद बाजार में उतार रही हैं। इनकी विक्री के लिए मार्केटिंग एजेंसी उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन करती हैं। एक नई थ्योरी के तहत मानवशास्त्र को भी उपभोक्ता व्यवहार से जोड़कर विश्लेषण किया जा रहा है। इस अध्ययन में एक और पहले प्यार के एहसास का डाटा विभिन्न सवालों के आधार पर तैयार किया जाएगा साथ ही डेटिंग के ऑनलाइन और अन्य माध्यम की संभावनाओं पर चर्चा होनी है।

i-NEXT PAGE 6

यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में एलयू का जलवा

करीब 298 स्टूडेंट्स को मिली एग्जाम में सफलता

LUCKNOW (19 Jan): राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से जारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नेट-जेआरएफ के परिणाम में लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी छा गए हैं. इस बार करीब 298 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है. इसमें 258 से अधिक विद्यार्थियों ने सहायक प्रोफेसर बनने के लिए नेट और 40 ने सहायक प्रोफेसर और जेआरएफ योग्यता दोनों के लिए पात्रता हासिल की है. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.

सभी को दी बधाई

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यूजीसी-नेट जेआरएफ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में डाक्टरेट अनुसंधान के लिए प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान करता है. साथ ही विश्वविद्यालयों और कालेजों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए अवसर देता है. इस बार भी करीब 298 छात्र-छात्राओं ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की है. सफल छात्रों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू एवं अधिष्ठाता, अकादमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बधाई दी.

किस विभाग के कितने छात्र सफल

- शिक्षा- 52
- समाजशास्त्र- 25
- विधि- 25
- एआइएच- 15
- साख्यिकी- 12
- राजनीति विज्ञान- 24
- अंग्रेजी- 30
- मनोविज्ञान- 10
- हिंदी- 10
- अप्लाइड इकोनॉमिक्स- 8
- प्रबंधन- 7

अन्य विभागों के स्टूडेंट्स ने भी हासिल की है सफलता

साथ ही विश्वविद्यालयों और कालेजों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए अवसर देता है. इस बार भी करीब 298 छात्र-छात्राओं ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की है. सफल छात्रों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू एवं अधिष्ठाता, अकादमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बधाई दी.

बस एलयू का क्यूआर कोड स्कैन करते ही प्रॉब्लम सॉल्व समझिए

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को एक क्यूआर कोड लॉन्च किया

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

LUCKNOW (19 JAN): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को एक क्यूआर कोड लॉन्च किया. इस कोड के जरिए स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब से संपर्क कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को केवल क्यूआर कोड स्कैन करना होगा और अपनी समस्या को मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ साझा करनी होगी. समस्या के प्रकार के आधार पर स्टूडेंट को शुरुआती स्तर पर परामर्श के लिए समय और संकाय या विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा. इस पहल को एलयू की डीएसडब्ल्यू व हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल के साथ शुरू किया गया है. एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिकायत निवारण और भावनात्मक रखरखाव को देखते हुए इस पहल की सराहना की है. उनके मुताबिक, इस पहल के जरिए स्टूडेंट्स को अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को आसानी से व्यक्त करने और मार्गदर्शन हासिल करने में मदद मिलेगी.

छात्र कल्याण की जरूरत पर दिया जा रहा जोर

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर संगीता साहू ने के मुताबिक, इस तकनीक के इस्तेमाल से सकारात्मक शिक्षण, सीखने के माहौल के लिए छात्र कल्याण की तत्काल जरूरत पर जोर दिया गया है. यह मंच स्टूडेंट्स को मदद पहुंचाने और अपने मुद्दों को गुप्त रखने में सुविधा देगा. हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो. एम. प्रियदर्शिनी, काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना, संस्थापक निदेशक और तकनीकी विशेषज्ञ हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी, प्रो. मधुरिमा प्रधान इस परामर्श प्रणाली के कामकाज को सुविधाजनक बनाएंगी. इस पहल में अलग-अलग मुद्दे शामिल हैं जैसे जीवन में उत्साह, खुशी और खुशी की कमी, चिंता, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, क्रोध का बढ़ना, उदासी, बेबसी, पढ़ाई में असंचि और एकाग्रता की कमी, लोगों से मिलने में संकोच कम होना, जीवन से निराश, आत्महत्या करने के विचार वगैरह. एलयू में इस पहल को बढ़ावा देने के लिए मुख्य और सेकंड कैम्पस में जगह-जगह बोर्ड लगाए जा रहे हैं.

PIONEER PAGE 3

एलयू में 300 से अधिक छात्र यूजीसी नेट परीक्षा में सफल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के 300 से अधिक स्टूडेंट्स ने यूजीसी नेट-जेआरएफ क्वालिफाई किया है। यहां इनमें से 35 स्टूडेंट्स ने जेआरएफ क्वालिफाई कर लिया है। एजुकेशन से सबसे अधिक स्टूडेंट्स ने नेट-जेआरएफ क्वालिफाई किया है। एजुकेशन में 8 जेआरएफ और 35 स्टूडेंट्स ने नेट क्वालिफाई किया है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स का यूजीसी नेट-जेआरएफ व अन्य प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन किया जाता है। उनकी हर संभव मदद की जाती है। समय-समय पर काउंसलिंग भी होती है। स्टूडेंट्स भी जीतोड़ मेहनत करते हैं। इसी का नतीजा है कि 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में अर्हता प्राप्त की है। करीब 200 स्टूडेंट्स ने असिस्टेंट प्रफेसर क्वालीफाई किया है। इसके अलावा 35 स्टूडेंट्स ने जेआरएफ क्वालीफाई किया है। सबसे अधिक एजुकेशन से 47 स्टूडेंट्स ने नेट-जेआरएफ क्वालीफाई किया है। वहीं सोशियोलॉजी से 26 नेट-जेआरएफ स्टूडेंट्स क्वालीफाई हुए हैं। कम्प्यूटर साइंस से 1 और योगा 1 स्टूडेंट ने क्वालीफाई किया है। डीएसडब्ल्यू संगीता साहू एप्रवका प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव व अन्य शिक्षकों ने यूजीसी नेट-जेआरएफ क्वालीफाई करने वाले स्टूडेंट को बधाई दी है।

भाषा विश्वविद्यालय के 7 स्टूडेंट्स ने नेट क्वालिफाई किया: भाषा विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने भी यूजीसी की असिस्टेंट प्रोफेसर (नेट) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा क्वालीफाई की है। भाषा विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय के अरबी विभाग से मो.सोहल, जियाउल मुस्तफा, उर्दू विभाग से राशीदा खातून, अब्दुल्ला, शाहिरा परवीन, सैयद मोईनुद्दीन और तनवीर अहमद ने यूजीसी की एनटीए द्वारा आयोजित होने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा को इन विद्यार्थियों ने पास की है। विवि के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने उत्तीर्ण हुए सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रोत्साहित किया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विवि के छात्रों ने दिखाया यूजीसी परीक्षा में दमखम

परिणाम

यूजीसी-नेट जेआरएफ परीक्षा में छात्रों का परीक्षाफल प्रतिशत रहा अच्छा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : यूजीसी - नेट जेआरएफ परिणामों की सूची जारी हो गई है। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय और खवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों ने परीक्षाफल में अच्छा स्थान बनाया है। विवि के कुलपति और संकाय अध्यक्षों ने बधाई के साथ छात्रों को प्रोत्साहित भी किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की है। 162 से अधिक छात्रों ने सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना स्थान अर्जित किया है, जबकि प्रभावशाली 40 छात्रों ने सहायक प्रोफेसर और जेआरएफ योग्यता दोनों के लिए आहार्यता हासिल की है। इन उत्कृष्ट उपलब्धियों ने अकादमिक क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर दिया है।

वहीं ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों का यूजीसी की एनटीए परीक्षा में दमखम दिखाई दिया। भाषा विवि की मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि अरबी विभाग से मोहम्मद आवेज और जियाउल मुस्तफा एवं ऊर्दू विभाग से राशीदा खातून, अब्दुल्ला, शाहिरा परवीन, सैयद मोईनुद्दीन और तनवीर अहमद ने यूजीसी की एनटीए द्वारा आयोजित होने वाली प्रोफेसर और जेआरएफ योग्यता दोनों के लिए आहार्यता हासिल की है। इन उत्कृष्ट उपलब्धियों ने अकादमिक क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर दिया है।

लविवि और भाषा विवि के परीक्षार्थी बोले

सोनी तिवारी

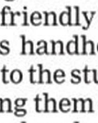

नम्रता सिंह

मोहित द्विवेदी

अरीबा खान

भाषा और लखनऊ विश्वविद्यालय के मेधावी शिक्षा की अलख जगाएंगे। यूजीसी नेट परीक्षा में अव्वल रहे छात्रों का सपना नई पीढ़ी के युवाओं को मजबूती देना है। भाषा विश्वविद्यालय की छात्रा राशीदा खातून कहती है कि गांव स्तर पर शिक्षा के प्रति अभी भी जागरूकता कम है। उनका सपना गांव के लोगों को प्रेरित, प्रोत्साहित और शिक्षित करना है। अब्दुल्ला का कहना है कि कई बार साधारण परिवार के छात्र इस तरह की परीक्षाओं की तैयारी को लेकर कोचिंग नहीं कर पाते। ऐसे में उनका ध्येय जरूरतमंदों को निःशुल्क अतिरिक्त कक्षाएं प्रदान करना है। लखनऊ विश्वविद्यालय की रिसर्च स्कॉलर सोनी तिवारी का कहना है कि शिक्षा के लिए हम नई पीढ़ी को नए तरीके से तैयार करेंगे। क्योंकि हमें अध्ययन करने का तरीका बदलना होगा। तभी समाज और देश उन्नति के पथ को छुएगा। नम्रता सिंह का कहना है कि वे नए छात्रों को नोट्स देकर पढ़ाई में मदद करेंगी। मोहित द्विवेदी डिजिटलाइजेशन के पक्ष में दिखे। कहते हैं कि नई तकनीकि को हमें समझना होगा। अरीबा खान कहती हैं कि हम सब शिक्षा के सहारे समाज को मजबूती की ओर ले जा सकते हैं।

क्यूआर कोड व्यवस्था को लांच करते लविवि के कुलपति आलोक कुमार रॉय व अन्य।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने लांच किया क्यूआर कोड

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक क्यूआर कोड लॉन्च किया है। इसके सहारे छात्र संबंधित मुद्दों के लिए काउंसलिंग सेल और हैप्पी थिंकिंग लैब से संपर्क कर सकते हैं। ये व्यवस्था छात्रों को व्यक्तिगत और करियर निर्माण मुद्दों पर परामर्श देकर सहायता प्रदान करेगी। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार रॉय का कहना है कि समस्या के प्रकार के आधार पर छात्र को प्रारंभिक स्तर पर परामर्श के लिए समय और संकाय अथवा विशेषज्ञ आवंटित किया जाएगा। इस पहल का नेतृत्व विवि के डीएसडब्ल्यू ने हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और काउंसलिंग एण्ड गाइडेंस सेल के साथ किया गया है।

▸▸ **इस तरह मिलेगा लाभ**– उत्साह, खुशी और खुशी की कमी, चिंता, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और क्रोध का बढ़ना आदि कारणों से छात्रों में समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ऐसे में ये व्यवस्था कारगर रहेगी। लविवि में इसको लेकर मुख्य और द्वितीय परिसर में जगह-जगह बोर्ड लगाए जा रहे हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों की सभी समस्याओं को दूर करने की पहल

एलयू में छात्र कल्याण के लिए क्यूआर कोड लॉन्च

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय ने एक क्यूआर कोड लॉन्च किया है जिसके द्वारा छात्र अपनी भलाई से संबंधित मुद्दों के लिए काउ